प्रसार भारती

आकाशवाणी शिमला

28.02.2025 / प्रादेशिक समाचार / 15.00बजे

मौसम

प्रदेश में पिछले दो दिन से जारी भारी वर्षा व हिमपात से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। जनजातीय व ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी हिमपात हो रहा है जबकि राजधानी शिमला सहित अन्य क्षेत्रों में व्यापक रूप से वर्षा हो रही है। इस वर्षा व हिमपात से प्रदेश में लम्बे समय से चला आ रहा सूखे का दौर समाप्त हुआ। खराब मौसम को देखते हुए चम्बा, लाहौल स्पिति, कुल्लू और किन्नौर जिले के शैक्षणिक संस्थानों में आज अवकाश घोषित किया गया है। भारी बर्फबारी और भूस्खलन से प्रदेश में तीन राष्ट्रीय उच्च मार्गों सहित 2 सौ से अधिक सड़कों पर यातायात बंद है जबकि लगभग अढ़ाई सौ बिजली ट्रांसफार्मर ठप्प पड़े हैं। अधिक ब्यौरे के साथ हमारे विशेष संवाददाता........

वीओ.....

भारी बर्फबारी व बारिश के चलते हिमाचल प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों लाहौल स्पीति, किन्नौर, पांगी, भरमौर सहित कुल्लू व शिमला जिला के ऊपरी भागों का सड़क सम्पर्क शेष दुनियां से कट गया है। बर्फबारी व भू–स्खलन के कारण तीन राष्ट्रीय उच्च मार्गों सहित सैंकड़ों सड़कें यातायात के लिए बाधित हो गई हैं जिन्हे खोलने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। कुल्लू जिला में मनाली से आगे सोलंगनाला और अटल टनल की ओर जाने वाली सड़क ग्लेशियर आने के चलते वाहनों की आवाजाही के लिए बंद है, वहीं मणिकर्ण घाटी के तोष गांव के समीप जीरा नाला में भू–स्खलन के कारण पानी का बहाव रुक गया है जिसे देखते हुए जिला प्रशासन ने तोष में नाले के किनारे रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया है और पर्यटकों व स्थानीय लोगों से पार्वती नदी के आसपास न जाने की अपील की गई है। खराब मौसम को देखते हुए किन्नौर, लाहौल स्पीति, चम्बा और कुल्लू जिला में एहतियातन सभी शिक्षण संस्थानों को आज बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि बोर्ड परीक्षाएं पूर्व निर्धारित समय के अनुसार ही आयोजित की जा रही हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने अगले 24 घंटों में भी हिमाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा व बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

वर्षा–एहतियात

लगातार हो रही वर्षा के बाद नदी–नालों के जलस्तर में वृद्धि हुई है। मण्डी के उपायुक्त अपूर्व देवगन ने बताया कि ब्यास नदी के जलग्रहण क्षेत्र में बर्फ पिघलने और लगातार हो रही वर्षा से पंडोह जलाशय में जलप्रवाह बढ़ गया है। बीबीएमबी द्वारा अतिरिक्त पानी को छोड़ने के लिए स्पिलवे गेट संचालित किए जाएंगे। ऐसे में प्रशासन ने लोगों से ब्यास नदी के समीप न जाने और एहतियात बरतने की अपील की है।

उधर कुल्लू जिले के अनेक क्षेत्रों में भारी वर्षा के बाद कई ग्रामीण इलाकों में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई है। कुल्लू के गांधी नगर इलाके में कई गाड़ियां नाले के पानी की चपेट में आ गई वहीं दूसरी ओर सरवरी नदी का पानी भी पार्किंग में घुस गया। भुंतर सब्जी मण्डी भी जलमग्न हो गई है। मनाली से आगे सोलंग नाला सड़क बर्फबारी के कारण बंद है जबकि बंजार–आनी सड़क भी जलोड़ी जोत के पास यातायात के लिए अवरूद्ध है। इसके अलावा भुंतर–मणिकर्ण सड़क पर भी वाहनों की आवाजाही बंद हो चुकी है।

रजनी पाटिल

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल ने कहा है कि प्रदेश में कांग्रेस की नई कार्यकारिणी का गठन जल्द ही कर लिया जाएगा। शिमला स्थित कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में आज पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि हिमाचल में कांग्रेस संगठन पैरालाईज्ड नहीं है और केन्द्र में भाजपा की सरकार होने के बावजूद प्रदेश में कांग्रेस की मजबूत सरकार बनी है। रजनी पाटिल अपने दो दिवसीय प्रदेश दौरे के दौरान मुख्यमंत्री, उप–मुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधायकों और पार्टी के अन्य नेताओं के साथ बैठकें कर

फीडबैक लेंगी। उन्होंने बताया कि ये रिपोर्ट पार्टी हाईकमान को सौंपी जाएगी। पाटिल ने कहा कि हाईकमान ने कांग्रेस संगठन की मजबूती के लिए उन्हें शिमला भेजा है।

मंदिर पैसा

विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने राज्य सरकार पर मंदिरों का पैसा सरकारी योजनाएं चलाने के लिए खर्च करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक संकट झेल रही राज्य सरकार ने दो फ्लैगशिप योजनाएं चलाने के लिए मंदिरों से जमा राशि देने को कहा है। जयराम ठाकुर ने कहा कि भाषा कला व संस्कृति विभाग के सचिव की ओर से अनेक जिलों के उपायुक्तों को इस संबंध में पत्र लिखा गया है। इस पत्र में सुख शिक्षा योजना और मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना के लिए अंशदान देने को कहा गया है। जयराम ठाकुर ने कहा कि मंदिरों का पैसा आपदा या मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए खर्च किया जाता है लेकिन सरकारी योजनाएं चलाने के लिए मंदिरों से पैसा मांगना दुर्भाग्यपूर्ण है।

इस बीच राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा है कि अच्छे कार्य के लिए मंदिरों से पैसे लेने में कोई बुराई नहीं है। उन्होंने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार ने भी कोविड के दौरान मंदिरों से पैसा लिया था।